ब्रिक्स नेताओं की हांग्जो, चीन में जी-20 शिखर सम्मेलन के उपांत, अनौपचारिक बैठक

4 सितंबर 2016

मीडिया नोट

ब्रिक्स नेताओं ने 4 सितंबर 2016 को हांग्जो, चीन में जी-20 शिखर सम्मेलन के उपांत मुलाकात की।

नेताओं ने वैश्विक राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और वैश्विक शासन के महत्व के मुद्दों और आपसी चिंता के विषयों पर विस्तृत विचार विमर्श किया।

वैश्विक विकास की चुनौतियों से अवगत, नेताओं ने स्वीकार किया कि ब्रिक्स देश अपने-अपने संबंधित आर्थिक विकास में नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इस संबंध में उन्होंने स्वीकार किया कि ब्रिक्स देशों की आर्थिक विकास की संभावनाएँ और गति, वैश्विक आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन बने रहेंगे।

नेताओं ने खुलेपन, एकता, समानता, आपसी समझ, समग्रता और पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित, सुदृढ़ ब्रिक्स सामरिक भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया।

नेताओं ने एक उचित और न्यायोचित अंतरराष्ट्रीय कानून के आधार पर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की स्थापना के महत्व को रेखांकित किया।

नेताओं ने चीन को जी-20 की 2016 के लिए अध्यक्ष पद के लिए बधाई दी और समर्थन किया और हांग्जो शिखर सम्मेलन के सफल परिणाम में पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने चीनी अध्यक्ष की विकास एजेंडे पर जोर की सराहना की। उन्होंने जी-20 के सदस्यों को व्यापक आर्थिक सहयोग को मजबूत करने, नवाचार, मजबूत और दीर्घकालिक व्यापार एवं निवेश वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया।

नेताओं ने जी-20 शिखर सम्मेलन के एजेंडा पर व्यापक विचार-विमर्श किया और जी-20 में ब्रिक्स देशों के वैश्विक और आपसी हित के मुद्दों को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए। उन्होंने अन्य उभरते बाजार अर्थव्यवस्थाओं और विकासशील देशों के साथ संवाद और सहयोग बढ़ाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने वैश्विक विकास और सतत विकास के एक नए युग में प्रवेश करने के लिए, एक अभिनव, मजबुत, परस्पर संबद्ध और समावेशी विश्व अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि हांग्जो शिखर सम्मेलन से जी-20 की एक मजबूत, दीर्घकालिक, संतुलित और समावेशी आर्थिक विकास की नई यात्रा प्रारम्भ होगा।

नेताओं ने सहमति जताई कि वैश्विक आर्थिक सुधार महत्वपूर्ण जोखिम पहलू के साथ असमान बनी हुई है। उन्होंने इस संबंध में, नकारात्मक प्रभावों से बचने और ठोस, सतत एवं संतुलित विकास प्राप्त करने सहित, जी-20 सदस्य देशों के बीच व्यापक आर्थिक नीति समन्वय के महत्व को रेखांकित किया।

नेताओं में सहमति हुई कि, जी-20 के सदस्यों को अपने-अपने राष्ट्रीय विकास रणनीतियों के कार्यान्वयन पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने एक मजबूत, दीर्घकालिक, संतुलित और समावेशी विकास की दिशा में योगदान जारी रखने के लिए, जी-20 के सदस्यों के साथ मिलकर काम करने के अपने दृढ़ संकल्प पर जोर दिया।

नेताओं ने स्वीकार किया कि नवाचार, मध्यम और लंबी अवधि के विकास और सतत विकास के लिए एक प्रमुख संचालक है। उन्होंने इस सम्बन्ध में, अभिनव विकास पर जी-20 के रूपरेखा का स्वागत किया।

उन्होंने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को एक नियम आधारित, खुले, पारदर्शी, निष्पक्ष और समावेशी बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की आधारशिला के रूप में और इसके (डब्ल्यूटीओ) के काम के केंद्र में सतत विकास की जरूरत के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने विश्व व्यापार संगठन की भूमिका और बातचीत प्रकिया को मजबूत बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और वैश्विक व्यापार में आ रही गिरावट और बढ़ते संरक्षणवाद पर चिंता जताई और बाजार अंतर-संबंधों की सुविधा के लिए, एक समावेशी, नियम आधारित और खुले विश्व अर्थव्यवस्था के लिए प्रयास करने पर सहमति जताई।

नेताओं ने बाली और नैरोबी में व्यापार मंत्रियों द्वारा, परिणामों के शीघ्र कार्यान्वयन के महत्व पर बल दिया और विश्व व्यापार संगठन के सभी सदस्यों से व्यापार सुविधा समझौते का जल्दी से समर्थन करने और समय पर इसके कार्यान्वन के लिए आह्वान किया।

नेताओं ने जोर देकर कहा कि एक प्रभावी और कुशल वैश्विक आर्थिक और वित्तीय संरचना रूपरेखा लोचदार विकास को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है और वे इस संबंध में काम जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि आईएमएफ कोटा वर्तमान वैश्विक आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। उन्होंने जी-20 के सदस्य देशों से आग्रह किया कि संस्था के कोटे संसाधनों को बढ़ाने के लिए आईएमएफ के साथ सहयोग प्रयासों को बढ़ाएँ और उभरती एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के निष्पक्ष प्रदर्शन को सुनिश्चित करने के लिए कोटा और वोट के वितरण की समीक्षा करें। उन्होंने इस संबंध में, एक नए कोटा फार्मूला सहित, 15वीं सामान्य समीक्षा कोटा, के 2017 की वार्षिक बैठक तक पूरा होने के लिए आह्वान किया है।

नेताओं ने जोर देकर कहा कि भ्रष्टाचार, सीमा पार से अवैध वित्तीय प्रवाह, अवैध गतिविधियों से कमाए गए धन और विदेशी अधिकार क्षेत्र में जमा गुप्त कोष का संस्थागत क्षमता और प्रभावशीलता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और जी-20 देशों के बीच विस्तृत सहयोग और प्रभावी उपाय करने का आह्वान किया।

नेताओं ने जी-20 के एजेंडे पर सतत विकास को उच्च स्थान पर रखने का समर्थन किया और इस संदर्भ में उन्होंने 2030 एजेंडा में घोषित दीर्घकालिक विकास, विकास के लिए वित्त पोषण पर अदीस अबाबा कार्ययोजना एजेंडा और जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

नेताओं ने ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग को मजबूत बनाने के माध्यम से, सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के कार्यान्वयन के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस संबंध में उन्होंने सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा पर जी-20 कार्य योजना का और अफ्रीका एवं अल्प विकसित देशों में औद्योगीकरण का समर्थन करने में जी-20 पहल का स्वागत किया।

नेताओं ने स्वीकार किया कि सतत विकास, सार्वभौमिक ऊर्जा का उपयोग, और ऊर्जा सुरक्षा मानवता की समृद्धि के लिए और पृथ्वी के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सभी के लिए सस्ती, स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग की अनिवार्यता को स्वीकार किया।

नेताओं ने भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता, कार्यान्वयन की अच्छी गति और ब्रिक्स सहयोग एजेंडे के विस्तार की सराहना की। नेताओं ने 15-16 अक्टूबर 2016 को गोवा में आगामी 8वीं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी के लिए भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के प्रति अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया।

नेताओं ने अंतः ब्रिक्स व्यापार, व्यवसाय, व्यावसायिक पर्यटन और यात्रा संबंधों को मजबूत बनाने पर भी विचार-विमर्श किया। उन्होंने ब्रिक्स आर्थिक भागीदारी के लिए रणनीति के कार्यान्वयन के प्रगति का भी स्वागत किया और 2020 तक व्यापार, आर्थिक और निवेश सहयोग पर ब्रिक्स दिशानिर्देश के महत्व को रेखांकित किया।

नेताओं ने भारत के शहरों और प्रांतों में संगठन के आयोजन के माध्यम से, भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स में लोगों के बीच आदान-प्रदान को मजबूत बनाने की सराहना की।

नेताओं ने नए विकास बैंक (एनडीबी) के कामकाज के प्रगति का स्वागत किया। उन्होंने एनडीबी की अक्षय और हरित ऊर्जा के क्षेत्रों में सदस्य देशों को प्रथम ऋण अनुमोदन पर साथ ही साथ बैंक की पहली ऋणपत्र, आरएमबी में नामित एक हरित ऋणपत्र, की सफलतापूर्वक जारी करने पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने इस संबंध में जोर देकर कहा कि, एनडीबी की संभाव्यता बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्त पोषण में अंतर को पाटने के लिए है।

नेताओं ने आतंकवाद की जघन्य कृत्यों की कड़ाई से निंदा की, जो निरंतर वैश्विक शांति और सुरक्षा को बाधित करता है और सामाजिक एवं आर्थिक विश्वास को कमजोर करता है। उन्होंने आतंकी गतिविधियों में पीड़ित निर्दोषों के प्रति गहरी सहानुभूति और समर्थन व्यक्त किया और हाल में दुनिया के विभिन्न शहरों में आतंकवादी हमलों की निंदा की।

नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लड़ने के लिए, संयुक्त राष्ट्र के एक केंद्रीय भूमिका निभाने सहित, दिल से प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद के किसी भी प्रकार के कृत्य के लिए कोई औचित्य नहीं हो सकता है, चाहे वो किसी भी वैचारिक, धार्मिक, राजनीतिक, जातीय, नस्ली या किसी अन्य औचित्य पर आधारित हो। उन्होंने आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए, संयुक्त राष्ट्र चार्टर सहित, अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों और मानदंडों के अनुसार एक संयुक्त वैश्विक प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया।

नेताओं ने इस खतरे का मुकाबला करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व को दोहराया और इस संबंध में ब्रिक्स देशों के बीच और अन्य देशों के साथ सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया।

हांग्जो, चीन
4 सितंबर, 2016